

छत्तीसगढ़ की तीन योजनाओं को मली राष्ट्रीय स्तर में पहचान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन स्टोरीज की कतिाब में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित तीन महत्त्वपूर्ण योजनाओं-ऑफलाइन शिक्षा के लिये ब्लूटूथ आधारित ई-शिक्षा समाधान 'बुलटू के बोल', राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में नगद भुगतान हेतु 'डिजिपि सखी' और 'गोधन न्याय योजना'को प्रकाशित किया गया है।

प्रमुख बडि

- चपिस के मुख्य कार्यपालन अधिकारी समीर वशिन्ोई ने बताया कि देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ पर मनाए जा रहे आज़ादी का अमृत महोत्सव के लिये देश के सभी राज्यों में डिजिटल इंडिया के अंतर्गत किये गए अभिनव नवाचारों को सम्मलित कर भारत सरकार द्वारा बुकलेट प्रकाशित की गई है, जिसमें राज्य शासन द्वारा संचालित इन तीन योजनाओं को स्थान दिया गया है।
- बुकलेट के प्रकाशन मंडल में देश भर के आई.टी. वशिषज्जों के साथ-साथ चपिस के संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.ई.एम.टी. के नीलेश सोनी को भी शामिल किया गया है।
- समीर वशिन्ोई ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर पशुधन के माध्यम से पशुपालकों के आय में वृद्धि करने के लिये कृषि विभाग द्वारा संचालित 'गोधन न्याय योजना'के अंतर्गत गोबर खरीदी, वर्मी कंपोस्ट खाद का निर्माण आदि अनेक आयमूलक गतिविधियों संचालित की जा रही हैं। जिसके लिये चपिस द्वारा मोबाइल एप और वेबसाइट का निर्माण किया गया है।
- एप के माध्यम से गोबर विक्रेताओं और स्व-सहायता समूह को जोड़ा गया है। साथ ही एप द्वारा गोबर से वर्मी कंपोस्ट बनाने की जानकारी एवं विक्रय की व्यवस्था भी की गई है। योजना के हतिग्राहियों को सीधे उनके बैंक एकाउंट में भुगतान किया जा रहा है।
- इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों को उनके घर के समीप ही बैंकिंग सुविधाएँ और नगद भुगतान के लिये सामान्य सेवा केंद्र परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक गाँव में नगद संगवारी कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत समाजिक सुरक्षा योजना, वृद्धावस्था पेंशन आदि अनेक योजनाओं के हतिग्राहियों को नगद भुगतान किया जा रहा है। इससे गाँवों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। ऐसे ही बालोद ज़िले के छोटे से गाँव की नविसी व पेशे से गृहणी सुनीता साहू की सफलता की कहानी इस बुकलेट में बताई गई है।
- राज्य के वदियार्थियों तक ऑफलाइन शिक्षा समाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ब्लूटूथ आधारित ई-शिक्षा समाधान 'बुलटू के बोल'प्रारंभ किया गया है। इसमें कक्षा एक से आठवीं तक के वदियार्थियों को शामिल किया गया है।